दिनांक 7 अगस्त 2024 को जनता कॉलेज बकेवर में टैली एवं वित्तीय प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया

आज दिनांक 7 अगस्त 2024 को जनता कॉलेज बकेवर के सेमिनार कक्ष में वाणिज्य संकाय और एस वी आई आई टी के संयुक्त तत्वाधान में कौशल विकास, टैली एवं वित्तीय प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ वाणिज्य संकाय के प्रभारी डॉक्टर योगेश शुक्ला, डॉ अशोक कुमार पांडे और प्राचार्य जी, श्री अत्री दीक्षित के द्वारा मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के पश्चात किया गया जिसमें एस वी आई आई टी के निदेशक श्री अत्री दीक्षित के द्वारा कौशल विकास में सहयोगी कंप्यूटराइज्ड अकाउंटिंग टैली के विषय में विस्तार से बताया और टैली के माध्यम से विभिन्न कंपनियों अथवा संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करते हुए प्रारंभिक स्तर पर प्राप्त होने वाली पारिश्रमिक के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को अपने पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य कौशल संवर्धन के विभिन्न उपकरणों में प्रतिभा कर अपनी प्रतिभा का संवर्धन करने हेतु प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात मुख्य वक्ता श्री ओमपाल के द्वारा वित्तीय प्रबंधन पर निम्न बिंदुओं के द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया:

1. सर्वप्रथम विनियोग और बचत में क्या अंतर होता है के बीच अंतर करते हुए बताया बचत के अंतर्गत बचाए गए धन को अपने पास रखा जाता है जिससे अन्य कोई लाभ नहीं होता जबकि विनियोग के अंतर्गत बचाए गए धन का लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से अन्य लाभप्रद योजनाओं में पैसे को जमा किया जाता है।

2. इसके बाद विनियोग के नियम 72 के बारे में विद्यार्थियों से प्रश्न किया कि किसी धनराशि को यदि 4 वर्षों में दुगना करना हो तो प्रतिवर्ष ब्याज का प्रतिशत क्या होना चाहिए ? इस प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थियों ने अपने-अपने ज्ञान के आधार पर 14% और एक विद्यार्थी ने 18% प्रतिवर्ष ब्याज दर पर धनराशि 04 वर्षों में दोगुना हो जाएगा बताया।

3. विनियोग के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है के प्रश्न में विद्यार्थियों ने बताया की आय होना आवश्यक है बिना आय के विनियोग संभव नहीं है और आए कैसे प्राप्त होगी इस विषय पर सभी विद्यार्थी मौन हो गए। वाणिज्य संकाय के श्री आचार्य गोपी नाथ मौर्या ने आय के मुख्य पांच साधन को बताया जिसके अंतर्गत वेतन से आय,

मकान संपत्ति से आय, व्यवसाय एवं पेशा, पूंजी लाभ से आय, अन्य साधनों से आय को बताया।

4. ओमपाल ने विनियोग के लिए बचत का होना अनिवार्य बताया क्योंकि बिना बचत के विनियोग की कल्पना नहीं की जा सकती।

5. बचत को सही जगह पर विनियोजित करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि आज के समय में विभिन्न संस्थाओं के द्वारा जालसाजी और धोखा देने के उद्देश्य से अनेक फर्जी स्कीम के माध्यम से विनियोजकों के धन को हड़पने का प्रयास किया जाता है क्योंकि लालच में आकर विनियोजक अपनी गाड़ी कमाई को ऐसे योजनाओं में लगा देते हैं जिसमें पैसे को बहुत कम समय में ही दोगुना करने का आश्वासन दिया जाता है और वह संस्था पैसे लेकर भाग जाती है।

6. विनियोग के लिए सबसे सुरक्षित माध्यम जनमानस के लिए सुनियोजित विनियोग योजनाओं(SIP) के माध्यम से म्युचुअल फंड में निवेश करना सुरक्षित है।

7. शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा होता है जिसमें बिना सही मार्गदर्शन के निवेश करने से विनियोजकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है अतः शेयर मार्केट में विनियोग तभी करना चाहिए जब तक शेयर बाजार का सही प्रकार से ज्ञान अर्जन न कर लिया जाए।

8. विनियोजकों को अपना धनराशि सेबी और आरबीआई के द्वारा लाइसेंस प्राप्त संस्थानों में ही अपने धन का विनियोग करना चाहिए क्योंकि यह संस्थाएं विनियोजको के हितों के लिए कार्य करती हैं और किसी अप्रिय घटना की दशा में विनियोजको के हितों का संरक्षण करती हैं।

9. शेयर मार्केट में लेनदेन डिजिटल प्रारूप में होता है जिसके लिए बैंकों में डिजिटल खाता खुलवाना आवाश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य संकाय के प्रभारी डॉक्टर योगेश शुक्ला ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक वाणिज्य संकाय के आचार्य श्री गोपीनाथ मौर्या ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री देवेश चतुर्वेदी,पवन सक्सेना, श्री कुलदीप अवस्थी, श्री अश्वनी मिश्रा,श्री सुबोध शुक्ला, श्री शैलेंद्र गौतम,जयवीर सिंह व जनता कॉलेज बकेवर के सभी संकाय के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

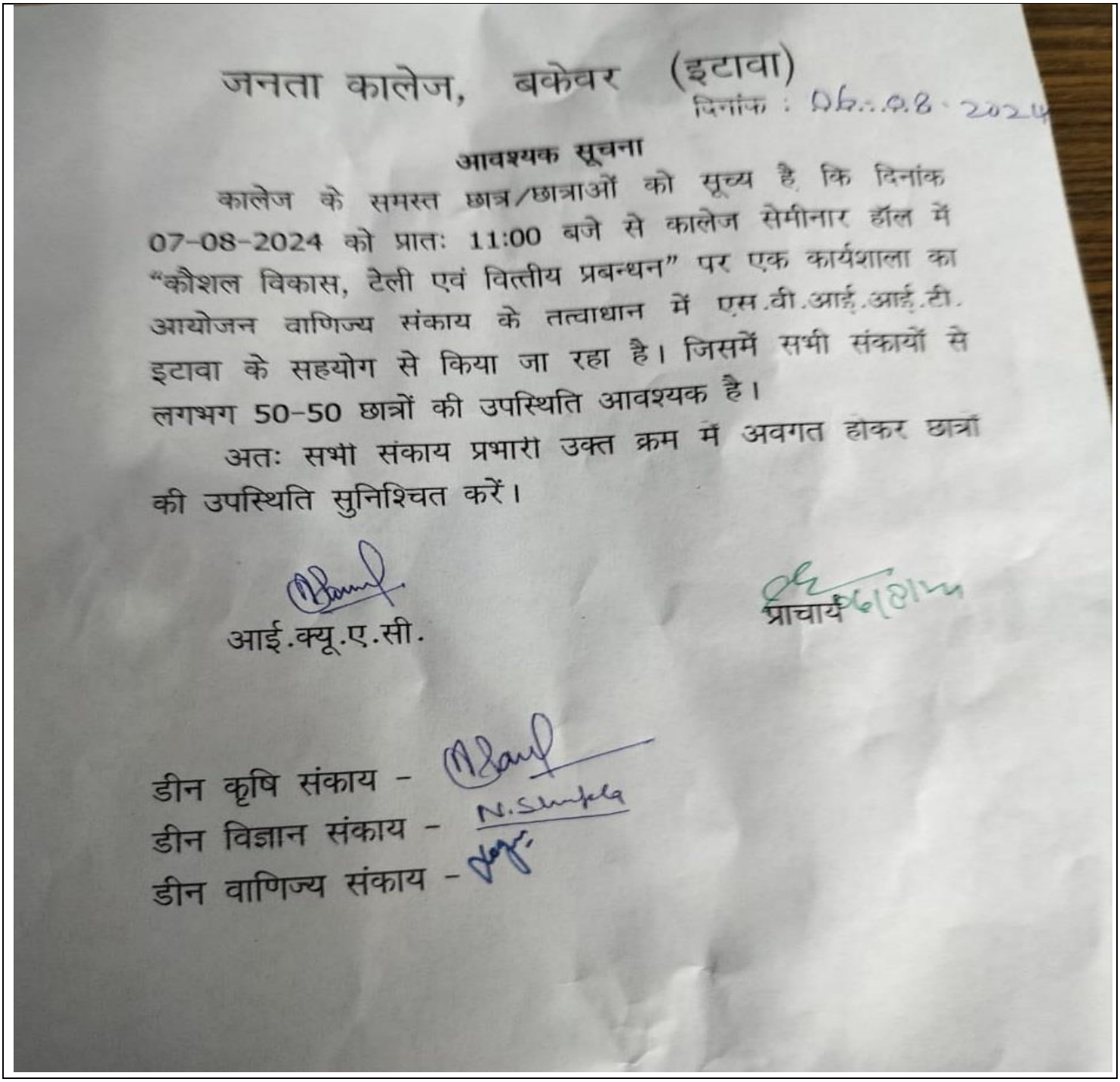

जनता कालेज, बकेवर (इटावा)

दिनांक : 06.08.2024

आवश्यक सूचना

कालेज के समस्त छात्र/छात्राओं को सूच्य है कि दिनांक 07-08-2024 को प्रातः 11:00 बजे से कालेज सेमीनार हॉल में "कौशल विकास, टैली एवं वित्तीय प्रबन्धन" पर एक कार्यशाला का आयोजन वाणिज्य संकाय के तत्वाधान में एस.वी.आई.आई.टी. इटावा के सहयोग से किया जा रहा है। जिसमें सभी संकायों से लगभग 50-50 छात्रों की उपस्थिति आवश्यक है।

अतः सभी संकाय प्रभारी उक्त क्रम में अवगत होकर छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

आई.क्यू.ए.सी.

प्राचार्य 6/8/24

डीन कृषि संकाय -

डीन विज्ञान संकाय - N. Shukla

डीन वाणिज्य संकाय -

Seminar on TallyPrime